पार्वोवायरस बी19 संक्रमण (Parvovirus B19 infection)

रोगी सूचना श्रृंखला - आपको क्या जानना चाहिए, आपको क्या पूछना चाहिए।

पार्वोवायरस बी**19** संक्रमण क्या है**?**

पार्वोवायरस बी19 संक्रमण एक आम बचपन का संक्रमण है जिसको "पांचवीं बीमारी" (स्लैपड चीक सिंड्रोम) भी बोलते है। जब पार्वोवायरस बी19 गर्भवती महिला को प्रभावित करता है, तो संक्रमण आमतौर पर हल्का होता है और माँ के लिए एक अच्छा पूर्वानुमान होता है। हालाँकि,माँ से बच्चे को गर्भाशया के दौरान संक्रमण हो सकता है और भ्रूण या गर्भ को प्रभावित कर सकता है।

पार्वोवायरस बी**19** संक्रमण कैसे होता है**?**

पार्वोवायरस बी19 संक्रमण दुनिया में कहीं भी हो सकता है। पार्वोवायरस बी19 संक्रमण अकेले या प्रकोप के रूप में हो सकता है, जो किसी विशेष स्थान पर रहने वाले लोगों को अधिक बार प्रभावित करता है। प्रकोप सबसे अधिक सर्दियों के अंत और वसंत की शुरुआत में, हर 3-6 साल में होता है। B19V मुख्य रूप से श्वसन मार्ग से फैलता है। अन्य संचरण मार्गों में हाथ से मुंह का संपर्क, रक्त उत्पाद आधान और प्लेसेंटल ट्रांसमिशन (माँ भ्रूण/भ्रूण को संक्रमण पहुंचाती है) शामिल हैं। मुख्य रूप से साँस के मार्ग से फैलता है, परंतु अन्य मार्ग से भी फ़ैल सकता है जैसे हाथ से मुँह , रक्त उत्पाद एवं माँ से बच्चे को गर्भास्या के दौरान |

B19V संक्रमण क्यों महत्वपूर्ण है**?**

जब B19V गर्भवती महिला को संक्रमित करता है, तो जोड़ों में दर्द आमतौर पर 50% गर्भवती महिलाओं में मौजूद एकमात्र लक्षण होता है। 30-50% मामलों में, संक्रमण भ्रूण में फैलता है। गर्भावस्था के दौरान पार्वोवायरस B19 संक्रमण के अधिकांश मामलों में, भ्रूण प्रभावित नहीं होता है, और संक्रमण अपने आप ठीक हो जाता है।लेकिन कभी - कभी, एनीमिया और भ्रूण हाइड्रॉप्स (ज्यादा पानी का होना) जैसी गंभीर स्थितियों की जन्म ले सकता हैं एवं भ्रूण की मृत्यु।

गर्भावस्था के दौरान किन बातों का ध्यान रखना चाहिए**?**

गर्भावस्था के दौरान, भ्रूण की जाँच (भ्रूण में हाइड्रोप्स की उपस्थिति या भ्रूण के दिल का आकार बढ़ना) और भ्रूण में एनीमिया (मस्तिष्क की रक्त वाहिकाओं में रक्त का वेग बढ़ना) के लक्षणों का अल्ट्रासाउंड द्वारा मूल्यांकन किया जाना चाहिए। पॉलीहाइड्रैम्निओस (एमनियोटिक द्रव में वृद्धि) और प्लेसेंटोमेगाली (प्लेसेंटल मोटाई >6 सेमी) अक्सर जुड़े होते हैं।

क्या मुझे और अधिक परीक्षण करवाने चाहिए**?**

- यदि आपके डॉक्टर गर्भावस्था के पहले 20 सप्ताह के दौरान मातृ परवोवायरस बी19 संक्रमण की बताते है, तो भ्रूण में संक्रमण के लक्षणों का आकलन करने और भ्रूण में एनीमिया का पता लगाने के लिए भ्रूण का अल्ट्रासाउंड किया जाना चाहिए। 18 सप्ताह से अधिक की गर्भावस्था में भ्रूण के एनीमिया की जांच मातृ संक्रमण के 12 सप्ताह बाद तक हर 1-2 सप्ताह में की जानी चाहिए।
- यदि गर्भाशय शिशु को एनीमिया हो जाता है तो खून की जांच की जाती है और खून चढ़ाने की जरुरत पड़ती है । यदि भ्रूण में एनीमिया की पुष्टि हो जाती है, तो अंतर्गर्भाशयी रक्त आधान का संकेत दिया जाता है। कभी-कभी एक से अधिक आधान की आवश्यकता हो सकती है।

मुझे प्रसव कहां करवाना चाहिए**?** जन्म के बाद बच्चे को सबसे अच्छी देखभाल कहां मिलेगी**?**

अधिकांश मामलों में तृतीयक स्तर के अस्पताल में प्रसव आवश्यक नहीं होगा, यह प्रसूति देखभालकर्ता द्वारा तय किया जाएगा लेकिन अधिकांश मामलों में तृतीयक देखभाल केंद्र में प्रसव की आवश्यकता नहीं होगी। गर्भावस्था के दौरान अंतर्गर्भाशयी आधान का प्रदर्शन जो प्रभावी रहा है और जिसने भ्रूण के एनीमिया को ठीक किया है, तृतीयक देखभाल केंद्र में प्रसव के लिए पूर्ण संकेत नहीं है।

जन्म के बाद मेरे बच्चे के लिए इसका क्या मतलब है**?**

परवोवायरस बी19 संक्रमण भ्रूण में जन्मजात विकार पैदा नहीं करता है। इसलिए, गर्भावस्था के दौरान बी19वी संक्रमण के अधिकांश मामलों में, भ्रूण प्रभावित नहीं होता है, और संक्रमण अपने आप ठीक हो जाता है।

भ्रूण में हाइड्रोप्स और एनीमिया की अनुपस्थिति में परवोवायरस बी19 संक्रमण दीर्घकालिक न्यूरोलॉजिकल रोग का कारण नहीं बनता है। फिर भी, गंभीर एनीमिया और भ्रूण में हाइड्रोप्स की उपस्थिति दीर्घकालिक न्यूरोलॉजिकल परिणामों से जुड़ी हो सकती है, खासकर उन मामलों में जिनमें कई अंतर्गर्भाशयी आधान की आवश्यकता होती है।

क्या यह पुनः घटित होगा**?**
नहीं , Parvovirus B19 दुबारा नही होता है |
पार्वोवायरस बी19 प्रतिरक्षा-सक्षम लोगों को स्थायी प्रतिरक्षा प्रदान करता है, इसलिए एक बार बी19वी से संक्रमित होने पर पुनरावृत्ति का कोई खतरा नहीं होता है।

Last updated 2024